७. मत बाँधो

कविता का सारांश

यह कविता महादेवी वर्मा द्वारा रचित है, जिसमें कवयित्री ने सपनों को रोकने या बाँधने से मना किया है। उनका मानना है कि सपने इंसान को ऊँचाइयों तक ले जाते हैं और नई सृजनात्मकता की प्रेरणा देते हैं।

कविता में सपनों की तुलना सुगंध, बीज, धुएँ और अग्नि से की गई है—जैसे सुगंध उड़कर लौट नहीं आती, बीज यदि मिट्टी में गिरकर अंकुरित न हो तो उड़ नहीं सकता। इसी प्रकार यदि सपनों को रोका जाए, तो वे साकार नहीं हो पाएंगे। कवयित्री कहती हैं कि सपनों को स्वतंत्र उड़ान भरने दें, ताकि वे तारों और किरणों से रंग और प्रकाश लेकर धरती को स्वर्ग बनाने के नए शिल्प सिखा सकें।

मुख्य संदेश:

- सपनों को रोकना या बाँधना नहीं चाहिए।
- सपनों को स्वतंत्र उड़ान भरने का अवसर मिलना चाहिए।
- सपनों से नई ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है।
- सपने जीवन को ऊँचाइयों तक ले जाते हैं।
- सपनों के साकार होने से समाज में प्रगति और सृजनात्मकता आती है।

कठिन शब्द

- **सौरभ** - सुगंध, खुशबू, महक
- **नभ** - आकाश, आसमान, गगन, अम्बर
- **बीज** - अंकुर, बीजक
- **धूलि** - मिट्टी, धूल, रज, कण
- **अग्नि** - आग, ज्वाला
- **धूम** - धुआँ, कुहासा
- **आरोहण** - ऊपर उठना, चढ़ाई, उत्थान
- **अवरोहण** - नीचे उतरना, अवतरण, अवनति, पतन
- **मुक्त गगन** - खुला आसमान, स्वच्छंद आकाश, विस्तृत नभ
- **विचरण** - घूमना, भ्रमण करना, संचरण
- **दीप्ति** - प्रकाश, चमक, ज्योति, तेज, आभा
- **स्वर्ग** - देवलोक, बैकुंठ, स्वर्गलोक
- **शिल्प** - कला, सृजन का कार्य, कारीगरी, हस्तकला, रचना
- **बंधन** - रोक, जकड़, नियंत्रण

www.onepointlearning.com

पाठ से

मेरी समझ से

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर के सम्मुख तारा (★) बनाइए कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

1. आप इनमें से कविता का मुख्य भाव किसे समझते हैं?

- सपने मात्र कल्पनाएँ हैं
- सपनों को भूल जाना चाहिए
- सपनों की स्वतंत्रता बनी रहनी चाहिए ★
- सपने देखना अच्छी बात है ★

2. 'मत बाँधो' कविता किसकी स्वतंत्रता की बात करती है?

- प्रेम की
- शिक्षा की
- सपनों की ★
- अधिकारों की

3. "इन सपनों के पंख न काटो" पंक्ति में सपनों के 'पंख' होने की कल्पना क्यों की गई है?

- सपने जीवन में कुछ नया करने की प्रेरणा देते हैं ★
- सपने सफलता की ऊँचाइयों तक ले जाते हैं ★
- सपने पंखों की तरह उड़ान भर भ्रमण करवाते हैं ★
- सपने पंखों की तरह कोमल और अनेक प्रकार के होते हैं

4. "स्वर्ग बनाने का फिर कोई शिल्प" पंक्ति में 'स्वर्ग' से आप क्या समझते हैं?

- जहाँ किसी प्रकार का शारीरिक कष्ट न हो ★
- जहाँ अतुलनीय धन संपत्ति हो
- जहाँ परस्पर सहयोग एवं सद्भाव हो ★
- जहाँ सभी प्राणी एक-दूसरे के प्रति संवेदनशील हों ★

5. यदि बीज धूल में गिर जाए तो क्या हो सकता है?

- वह बहुत तेज़ी से उड़ सकता है
- वह और गहरा हो सकता है
- उसकी उड़ान रुक सकती है ★
- वह बढ़कर पौधा बन सकता है ★

(ख) हो सकता है कि आपके समूह के साथियों ने अलग-अलग उत्तर चुने हों। अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने?

उत्तर:

1. कविता यह संदेश देती है कि सपनों को कभी नहीं रोकना चाहिए।
2. सपनों से जीवन में नई प्रेरणा और प्रगति आती है।
3. यदि सपनों को पंख मिलें तो वे समाज को सुंदर और बेहतर बना सकते हैं।
4. हर छात्र अपने विचार साझा करे कि सपनों को रोकने से व्यक्ति और समाज पर क्या असर होगा।

पंक्तियों पर चर्चा

कविता में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यानपूर्वक पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपने समूह में साझा कीजिए और लिखिए।

(क) "सौरभ उड़ जाता है नभ में
फिर वह लौट कहाँ आता है?
बीज धूलि में गिर जाता जो
वह नभ में कब उड़ पाता है?"

उत्तर:

- **अर्थ**: इन पंक्तियों में कवयित्री यह बताना चाहती हैं कि जैसे फूल की खुशबू (सौरभ) आकाश में उड़ जाती है और फिर वापस नहीं आती, वैसे ही सपनों को एक बार उड़ान मिल जाए तो वे बहुत ऊँचाइयों तक जा सकते हैं। बीज यदि मिट्टी में गिरकर अंकुरित न हो तो वह उड़ान नहीं भर सकता। इसी प्रकार अगर किसी व्यक्ति के सपनों को रोका जाए तो वे कभी साकार नहीं हो सकते।
- **संदेश**: सपनों को रोकना नहीं चाहिए, क्योंकि रोकने से वे कभी अपनी मंज़िल तक नहीं पहुँचेंगे। जैसे बीज को बढ़ने के लिए सही वातावरण चाहिए, वैसे ही सपनों को पनपने के लिए स्वतंत्रता और प्रोत्साहन चाहिए।

(ख) "मुक्त गगन में विचरण कर यह
तारों में फिर मिल जायेगा,
मेघों से रंग औ' किरणों से
दीपित लिए भू पर आयेगा।"

उत्तर:

- **अर्थ**: इन पंक्तियों का भाव है कि सपने जब खुले आकाश में स्वतंत्र होकर उड़ते हैं, तो वे तारों और किरणों से नई रोशनी और ऊर्जा लेकर लौटते हैं। ये सपने रंगों और प्रकाश से भरकर धरती को सुंदर और बेहतर बनाने का मार्ग दिखाते हैं।
- **संदेश**: सपनों को उड़ने की आज़ादी मिलने पर वे समाज में नई प्रेरणा और उजाला लाते हैं। सपने व्यक्ति और दुनिया दोनों को सृजनशील और प्रगति की राह पर ले जाते हैं।

मिलकर करें मिलान

कविता में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ स्तंभ 1 में दी गई हैं। उन पंक्तियों के भाव या संदर्भ स्तंभ 2 में दिए गए हैं। पंक्तियों को उनके सही भाव अथवा संदर्भ से मिलाइए।

क्रम	स्तंभ 1 (कविता की पंक्ति)	सही मिलान (स्तंभ 2)
1.	इन सपनों के पंख न काटोइन सपनों की गति मत बाँधो!	1. सपनों के उठने (आरोहण) और उनके व्यवहार में वापस आने (अवरोहण) में बाधा न डालें, क्योंकि स्वतंत्रता ही सपनों को साकार करने की कुंजी है।
2.	सपनों में दोनों ही गति हैउड़कर आँखों में आता है!	2. सपनों को ऊँचाइयों तक जाने से मत रोको। उन्हें धरती से बाँधकर मत रखो।
3.	इसका आरोहण मत रोकोइसका अवरोहण मत बाँधो!	3. किसी पक्षी के पंख काट दिए जाएँ तो वह उड़ नहीं सकता, वैसे ही अगर हम किसी के सपनों को बाधित करें तो उसकी कल्पनाशीलता और संभावनाएँ समाप्त हो जाएँगी।
4.	नभ तक जाने से मत रोकोधरती से इसको मत बाँधो!	4. रचनात्मक और स्वतंत्र विचार समाज को सुंदर, समृद्ध और शांतिपूर्ण बना सकता है।
5.	स्वर्ग बनाने का फिर कोई शिल्पभूमि को सिखलायेगा!	5. सपनों में ऊपर उठने (आरोहण) और नीचे आने (अवरोहण) दोनों की विशेषता होती है। सपना विचार की तरह जन्म लेता है और फिर व्यवहार में पूरा होता है, तभी वह कल्पना से निकलकर सच्चाई बनता है।

उत्तर:

क्रम	स्तंभ 1 (कविता की पंक्ति)	सही मिलान (स्तंभ 2)
1.	**इन सपनों के पंख न काटोइन सपनों की गति मत बाँधो!**	3. किसी पक्षी के पंख काट दिए जाएँ तो वह उड़ नहीं सकता, वैसे ही अगर हम किसी के सपनों को बाधित करें तो उसकी कल्पनाशीलता और संभावनाएँ समाप्त हो जाएँगी।
2.	**सपनों में दोनों ही गति हैउड़कर आँखों में आता है!**	5. सपनों में ऊपर उठने (आरोहण) और नीचे आने (अवरोहण) दोनों की विशेषता होती है। सपना विचार की तरह जन्म लेता है और फिर व्यवहार में पूरा होता है, तभी वह कल्पना से निकलकर सच्चाई बनता है।
3.	**इसका आरोहण मत रोकोइसका अवरोहण मत बाँधो!**	1. सपनों के उठने (आरोहण) और उनके व्यवहार में वापस आने (अवरोहण) में बाधा न डालें, क्योंकि स्वतंत्रता ही सपनों को साकार करने की कुंजी है।
4.	**नभ तक जाने से मत रोकोधरती से इसको मत बाँधो!**	2. सपनों को ऊँचाइयों तक जाने से मत रोको। उन्हें धरती से बाँधकर मत रखो।
5.	**स्वर्ग बनाने का फिर कोई शिल्पभूमि को सिखलायेगा!**	4. रचनात्मक और स्वतंत्र विचार समाज को सुंदर, समृद्ध और शांतिपूर्ण बना सकता है।

सोच-विचार के लिए

कविता को पुनः पढ़िए, पता लगाइए और लिखिए—

(क) कविता में 'मत बाँधो', 'पंख न काटो' आदि संबोधन किसके लिए किए गए होंगे?

उत्तर: कविता में 'मत बाँधो', 'पंख न काटो' जैसे संबोधन सपनों के लिए किए गए हैं। कवयित्री कहना चाहती हैं कि किसी भी व्यक्ति के सपनों को रोकना या बाँधना नहीं चाहिए, क्योंकि सपनों को स्वतंत्रता मिलने पर ही वे साकार हो पाते हैं।

(ख) कविता में सपनों की गति न बाँधने की बात क्यों कही गई होगी?

उत्तर: कविता में सपनों की गति न बाँधने की बात इसलिए कही गई है क्योंकि सपने व्यक्ति को प्रगति, सृजनशीलता और नई ऊँचाइयों तक पहुँचने की प्रेरणा देते हैं। यदि सपनों को रोका जाएगा, तो वे कभी पूरे नहीं हो पाएँगे और व्यक्ति अपनी क्षमताओं का विकास नहीं कर सकेगा।

(ग) कविता में सौरभ, बीज, धुआँ, अग्नि जैसे उदाहरणों के माध्यम से सपनों को इनसे भिन्न बताते हुए उसे विशेष बताया गया है। आपकी दृष्टि में इन सबसे अलग सपनों की और कौन-कौन सी विशेषताएँ हो सकती हैं?

उत्तर: सपनों की अन्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

- **प्रेरणादायी –** सपने व्यक्ति को आगे बढ़ने और मेहनत करने की प्रेरणा देते हैं।
- **आशा का स्रोत –** कठिन परिस्थितियों में भी सपने उम्मीद बनाए रखते हैं।
- **रचनात्मकता का आधार –** नए विचार और आविष्कार सपनों से जन्म लेते हैं।
- **लक्ष्य निर्धारण में सहायक –** सपने व्यक्ति को जीवन का उद्देश्य तय करने में मदद करते हैं।
- **सकारात्मक सोच का प्रतीक –** सपनों से जीवन में उत्साह और आत्मविश्वास आता है।

(घ) कविता में 'आरोहण' और 'अवरोहण' दोनों के महत्त्व की बात की गई है। उदाहरण देकर बताइए कि आपने 'आरोहण' और 'अवरोहण' को कब-कब सार्थक होते देखा?

उत्तर: कविता में 'आरोहण' (ऊपर उठना) और 'अवरोहण' (नीचे आना) दोनों के महत्व को समझाया गया है। ये जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं। उदाहरण:

- **आरोहण** = ऊपर उठना, प्रगति करना
  उदाहरण: कोई छात्र मेहनत कर अच्छे अंक लाता है; यह उसका आरोहण है।
- **अवरोहण** = वापस आना, विनम्र रहना
  उदाहरण: सफल व्यक्ति ऊँचाई पर पहुँचकर भी विनम्र और सरल रहता है, यह अवरोहण है।

जीवन में संतुलन के लिए दोनों आवश्यक हैं।

(ङ) "सपनों में दोनों ही गति है / उड़कर आँखों में आता है!" क्या आप सहमत हैं कि सपने 'आँखों में लौटकर' वास्तविकता बन जाते हैं? अपने अनुभव या आस-पास के अनुभवों से कोई उदाहरण दीजिए।

उत्तर: हाँ, सपनों को मेहनत और दृढ़ निश्चय से वास्तविकता में बदला जा सकता है।

उदाहरण:

- वैज्ञानिकों का सपना था कि इंसान चाँद पर जाए। आज यह सपना सच हो गया।
- स्वतंत्रता सेनानियों का सपना था कि भारत आज़ाद हो। यह सपना भी वास्तविकता बना।
- छात्र का डॉक्टर या शिक्षक बनने का सपना मेहनत से सच हो सकता है।

शीर्षक

कविता का शीर्षक है 'मत बाँधो'। यदि आपको इस कविता को कोई अन्य नाम देना हो तो क्या नाम देंगे? आपने यह नाम क्यों सोचा? यह भी लिखिए।

उत्तर: मैं इस कविता का नाम "सपनों की उड़ान" रखूँगा/रखूँगी। क्योंकि इस कविता में मुख्य संदेश यह है कि सपनों को रोकना या बाँधना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें स्वतंत्र उड़ान भरने देना चाहिए ताकि वे नए विचार और प्रगति लेकर लौटें। यह शीर्षक कविता के भाव को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

अनुमान और कल्पना से

(क) मान लीजिए आप एक नया संसार चाहते हैं। उस संसार में आप क्या-क्या रखना चाहेंगे और क्या-क्या नहीं? अपने उत्तर का कारण भी बताइए।

उत्तर:

- नए संसार में मैं प्यार, शांति, समानता, स्वच्छता और शिक्षा रखना चाहूँगा/चाहूँगी।
- वहाँ भेदभाव, हिंसा, प्रदूषण, लालच और अन्याय नहीं होंगे।
- **कारण**: ऐसा संसार सभी के लिए सुरक्षित और सुखद होगा।

(ख) कविता में शिल्प और कला के महत्त्व की बात की गई है। कलाएँ हमारे आस-पास की दुनिया को सुंदर बनाती हैं। आप अपने जीवन को सुंदर बनाने के लिए कौन-सी कला सीखना चाहेंगे? उससे आपका जीवन कैसे सुंदर बनेगा? अनुमान करके बताइए।

उत्तर: मैं अपने जीवन को सुंदर बनाने के लिए संगीत और चित्रकला सीखना चाहूँगा/चाहूँगी।

- संगीत मन को शांति और आनंद देता है तथा तनाव दूर करता है।
- चित्रकला मुझे अपने विचारों और भावनाओं को सुंदर तरीके से व्यक्त करने का अवसर देगी।
- इन कलाओं से मेरा जीवन रचनात्मक, खुशहाल और प्रेरणादायी बनेगा।

www.onepointlearning.com

(ग) "सौरभ उड़ जाता है नभ में / फिर वह लौट कहाँ आता है?" यदि आपके पास अपने बीते हुए समय में लौटने का अवसर मिले तो आप बीते हुए समय में क्या-क्या परिवर्तन करना चाहेंगे?

उत्तर: यदि मुझे अपने बीते हुए समय में लौटने का अवसर मिले तो मैं—

- अपनी गलतियों को सुधारूँगा/सुधारूँगी।
- पढ़ाई और समय का सही उपयोग करूँगा/करूँगी।
- अपने दोस्तों और परिवार के साथ अच्छे संबंध और यादें बनाऊँगा/बनाऊँगी।
- अच्छे काम करके लोगों की मदद करने का प्रयास करूँगा/करूँगी।
- अपने स्वास्थ्य और आदतों पर ज्यादा ध्यान दूँगा/दूँगी।

(घ) "बीज धूलि में गिर जाता जो / वह नभ में कब उड़ पाता है?" यदि सपने बीज की तरह हों तो उन्हें उगने के लिए किन चीज़ों की आवश्यकता होगी? (संकेत— धूलि अर्थात मेहनत, पानी अर्थात लगान आदि)।

उत्तर: यदि सपने बीज की तरह हों, तो उन्हें उगने के लिए ये चीज़ें चाहिए—

- **मेहनत (धूलि) –** सपनों को सच करने के लिए कठिन परिश्रम जरूरी है।
- **लगन और धैर्य (पानी) –** निरंतर प्रयास और धैर्य से ही सफलता मिलती है।
- **सही मार्गदर्शन (सूरज की रोशनी) –** सही दिशा और प्रेरणा से सपने पनपते हैं।
- **सकारात्मक सोच (खाद) –** आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच से सपनों को बल मिलता है।
- **समय और अवसर (मौसम) –** सही समय और अवसर मिलने पर सपने साकार होते हैं।

(ङ) "स्वर्ग बनाने का फिर कोई शिल्प / भूमि को सिखलायेगा!" यदि अच्छे सपनों या विचारों से स्वर्ग बनाया जा सकता है तो बुरे सपनों अथवा विचारों से क्या होगा? बुरे सपनों या विचारों से कैसे बचा जा सकता है?

उत्तर: बुरे विचार अशांति, हिंसा और दुख पैदा करेंगे।

उनसे बचने के लिए अच्छे संस्कार, अच्छी संगति, सकारात्मक सोच और सही शिक्षा जरूरी है।

(च) "इन सपनों के पंख न काटो / इन सपनों की गति मत बाँधो!" कल्पना कीजिए कि हर किसी को सपने देखने और उन्हें पूरा करने की पूरी स्वतंत्रता मिल जाए, तब दुनिया कैसी होगी? आपके अनुसार उस दुनिया में कौन-सी बातें महत्त्वपूर्ण होंगी?

उत्तर: यदि हर किसी को सपने देखने और उन्हें पूरा करने की पूरी स्वतंत्रता मिल जाए, तो—

- निया में बराबरी, शांति और खुशहाली होगी।
- हर व्यक्ति अपनी प्रतिभा और क्षमता को विकसित कर सकेगा।
- भेदभाव, डर और रुकावटें समाप्त हो जाएँगी।
- समाज में रचनात्मकता, प्रगति और नए आविष्कार होंगे।
- सभी को सम्मान और अवसर मिलेगा।

महत्त्वपूर्ण बातें:

- समानता, स्वतंत्रता और सहयोग का वातावरण।
- अच्छी शिक्षा और सकारात्मक सोच।
- सबके सपनों का सम्मान।

www.onepointlearning.com

(छ) "इन सपनों के पंख न काटो / इन सपनों की गति मत बाँधो!" आपके विचार से यह सुझाव है? आदेश है? प्रार्थना है? या कुछ और है? यह बात किससे कही जा रही है?

उत्तर: यह पंक्ति कवयित्री की एक प्रार्थना और प्रेरणा है। इसमें वह समाज, बड़ों, शिक्षकों और अभिभावकों से कह रही हैं कि बच्चों और युवाओं के सपनों को रोकें या बाँधें नहीं, बल्कि उन्हें उड़ान भरने की आज़ादी दें ताकि वे अपनी क्षमताओं को पहचान सकें और सफलता प्राप्त कर सकें।

कविता की रचना

- **"सौरभ उड़ जाता है नभ में..."**
- **"बीज धूलि में गिर जाता जो..."**
- **"अग्नि सत्ता धरती पर जलती..."**

उपर्युक्त पंक्तियों पर ध्यान दीजिए। इन पंक्तियों को पढ़ते समय हमारी आँखों के सामने कुछ चित्र उभर आते हैं। कई बार कवि अपनी बात अथवा मुख्य भाव को समझाने या बताने के लिए उदाहरणों के माध्यम से शब्द-चित्रों की लड़ी-सी लगा देता है जिससे कविता में विशेष प्रभाव उत्पन्न हो जाता है। इस कविता में भी ऐसी अनेक विशेषताएँ छिपी हैं।

(क) अपने समूह के साथ मिलकर इन विशेषताओं की सूची बनाइए। अपने समूह की सूची को कक्षा में सबके साथ साझा कीजिए।

उत्तर: कविता की विशेषताएँ (सूची):-

- कविता में चित्रात्मकता (Imagery) है – पंक्तियों से दृश्य हमारी आँखों के सामने उभरते हैं।
- उपमा और रूपक का प्रयोग है – सपनों को पक्षी, बीज, धुआँ, अग्नि आदि से तुलना करके समझाया गया है।
- प्रश्नवाचक शैली का प्रयोग है – कविता में प्रश्न पूछकर भाव को प्रभावी बनाया गया है।
- संबोधन शैली है – पाठक या समाज को संबोधित करते हुए भाव व्यक्त किए गए हैं।
- विपरीतार्थक शब्दों का प्रयोग है – आरोहण/अवरोहण, बाँधो/मत बाँधो जैसे शब्द।
- सपनों का मानवीकरण (Personification) है – सपनों को मनुष्य की तरह क्रियाशील दिखाया गया है।
- कविता में सकारात्मक और प्रेरणादायी संदेश है।

(ख) नीचे इस कविता की कुछ विशेषताएँ और वे पंक्तियाँ दी गई हैं जिनमें ये विशेषताएँ समाहित हैं। विशेषताओं का सही पंक्तियों से मिलान कीजिए।

क्रम	कविता की विशेषताएँ	सही पंक्तियाँ
1.	एक-दूसरे के विपरीत अर्थ वाले शब्दों का प्रयोग किया गया है।	1. वह नभ में कब उड़ पाता है?
2.	एक ही शब्द का प्रयोग बार-बार किया गया है।	2. इसका आरोहण मत रोको इसका अवरोहण मत बाँधो!
3.	समानार्थी शब्दों का प्रयोग किया गया है।	3. स्वर्ग बनाने का फिर कोई शिल्प भूमि को सिखलायेगा!
4.	प्रश्न पूछा गया है।	4. इन सपनों के पंख न काटो
5.	संबोधन का प्रयोग किया गया है।	5. नभ तक जाने से मत रोकोधरती से इसको मत बाँधो!
6.	सपने को मनुष्य की तरह चित्रित किया गया है।	6. दीपित लिए भू पर आयेगा।स्वर्ग बनाने का फिर कोई शिल्पभूमि को सिखलायेगा!

उत्तर:

www.onepointlearning.com

क्रम	कविता की विशेषताएँ	सही पंक्तियाँ
1.	**एक-दूसरे के विपरीत अर्थ वाले शब्दों का प्रयोग किया गया है।**	2. इसका आरोहण मत रोकोइसका अवरोहण मत बाँधो!
2.	**एक ही शब्द का प्रयोग बार-बार किया गया है।**	4. इन सपनों के पंख न काटो
3.	**समानार्थी शब्दों का प्रयोग किया गया है।**	5. नभ तक जाने से मत रोकोधरती से इसको मत बाँधो!
4.	**प्रश्न पूछा गया है।**	1. वह नभ में कब उड़ पाता है?
5.	**संबोधन का प्रयोग किया गया है।**	4. इन सपनों के पंख न काटो
6.	**सपने को मनुष्य की तरह चित्रित किया गया है।**	6. दीपित लिए भू पर आयेगा।स्वर्ग बनाने का फिर कोई शिल्पभूमि को सिखलायेगा!

शब्दों की बात

"इसका आरोहण मत रोको
इसका अवरोहण मत बाँधो!"

उपर्युक्त पंक्तियों में रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए। 'आरोहण' और 'अवरोहण' दोनों एक-दूसरे के विपरीतार्थक शब्द हैं। आरोहण का अर्थ है— नीचे से ऊपर की ओर जाना या चढ़ना और अवरोहण का अर्थ है— ऊपर से नीचे की ओर आना या उतरना।

(क) नीचे दिए रिक्त स्थान में 'आरोहण' और 'अवरोहण' का उपयुक्त प्रयोग करके वाक्यों को पूरा कीजिए।

- **पर्वतारोहियों ने बीस दिन तक पर्वत पर ______ कर विजय प्राप्त की।**
- **नदियाँ विशाल पर्वतों से ______ करते हुए सागर में मिल जाती हैं।**
- **अंकगणित में बड़ी संख्या से छोटी संख्या की ओर लिखने की प्रक्रिया ______ क्रम कहलाती है।**

इसी प्रकार से 'आरोहण' और 'अवरोहण' शब्दों के प्रयोग को देखते हुए आप भी कुछ सार्थक वाक्य बनाइए।

उत्तर: वाक्यों को पूरा कीजिए:

- **पर्वतारोहियों ने बीस दिन तक पर्वत पर** आरोहण **कर विजय प्राप्त की।**
- **नदियाँ विशाल पर्वतों से** अवरोहण **करते हुए सागर में मिल जाती हैं।**
- **अंकगणित में बड़ी संख्या से छोटी संख्या की ओर लिखने की प्रक्रिया** अवरोही **क्रम कहलाती है।**

नए वाक्य:

- **आरोहण** : - सूर्य का आरोहण होते ही पूरा आकाश सुनहरा हो गया।
- **अवरोहण** : - विमान का अवरोहण धीरे-धीरे हवाई अड्डे पर हुआ।

(ख) नीचे दी गई कविता की पंक्तियों के रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए—

"वह नभ में कब उड़ पाता है?"
"धूम गगन में मँडराता है!"

'नभ' और 'गगन' समान अर्थ वाले शब्द हैं। रेखांकित शब्दों के समानार्थी शब्दों का प्रयोग करते हुए कुछ नई पंक्तियों की रचना कीजिए और देखिए कि पंक्तियों में लय बनाए रखने के लिए और किन परिवर्तनों की आवश्यकता पड़ती है?

उत्तर:

मूल पंक्ति:

- "वह नभ में कब उड़ पाता है?"

- “धूम गगन में मँडराता है!”

नए रूप:

- “वह आकाश में कब उड़ पाता है?”
- “धूम अम्बर में मँडराता है!”

परिवर्तन:

- “नभ” की जगह “आकाश” और “गगन” की जगह “अम्बर” जैसे शब्द लाकर भी लय बनी रहती है।
- कविता में समानार्थी शब्दों का प्रयोग सौंदर्य बढ़ाता है।

(ग) कविता में 'मत' शब्द के साथ 'बाँधो', 'काटो' क्रियाएँ लगाई गई हैं। आप 'मत' के साथ कौन-कौन सी क्रियाएँ लगाना चाहेंगे? लिखिए। (संकेत— 'मत डरो')।

उत्तर: 'मत' शब्द के साथ नई क्रियाएँ:

- मत डरो
- मत रोओ
- मत रुको
- मत हारो
- मत भूलो
- मत गिरो
- मत झुको

(घ) आपकी भाषा में 'बाँधने' के लिए और कौन-कौन सी क्रियाएँ हैं? अपने समूह में चर्चा करके लिखिए और उनसे वाक्य बनाइए (संकेत— जोड़ना)।

उत्तर: 'बाँधने' के लिए अन्य क्रियाएँ:

- जोड़ना
- लगाना
- जकड़ना
- पिरोना
- लपेटना
- सिलना

वाक्य उदाहरण:

- माँ ने फूलों को पिरोकर माला बनाई।
- उसने किताब को धागे से जकड़ दिया।
- लकड़ी के टुकड़ों को जोड़कर मेज़ बनाई गई।

(ङ) 'मत' शब्द को उलट कर लिखने से 'तम' शब्द बनता है, जिसका अर्थ है 'अंधेरा'। कविता में से कुछ ऐसे और शब्द छाँटिए जिन्हें उलट कर लिखने से अर्थ देने वाले शब्द बनते हैं?

उत्तर: उल्टे लिखकर अर्थ देने वाले शब्द (कविता से):

- मत → तम (अंधेरा)
- नभ → भन (भन-भन की आवाज़)
- सार → रस
- दीप → पीड़
- राम → मार

काल परिवर्तन

“सौरभ उड़ जाता है नभ में”

उपर्युक्त पंक्ति को ध्यान से देखिए। इस पंक्ति की क्रिया 'जाता है' से पता चलता है कि यह वर्तमान काल में लिखी गई है। यदि हम इसी पंक्ति को भूतकाल और भविष्य काल में लिखें तो यह निम्नलिखित प्रकार से लिखी जाएगी—

भूतकाल— सौरभ उड़ गया नभ में

भविष्य काल— सौरभ उड़ जाएगा नभ में

कविता में वर्तमान काल में लिखी गई ऐसी अनेक पंक्तियाँ आई हैं। उन पंक्तियों को कविता में से ढूँढकर भूतकाल और भविष्य काल में लिखिए।

उत्तर: कविता की कुछ पंक्तियाँ जो वर्तमान काल में लिखी गई हैं, उन्हें भूतकाल और भविष्य काल में इस प्रकार लिखा जा सकता है:

1. **वर्तमान काल:**
- "बीज धूलि में गिर जाता जो"
  - → **भूतकाल**: बीज धूलि में गिर गया जो
  - → **भविष्य काल**: बीज धूलि में गिरेगा जो

2. **वर्तमान काल:**
- "धूम गगन में मँडराता है!"
  - → **भूतकाल**: धूम गगन में मँडराया!
  - → **भविष्य काल**: धूम गगन में मँडराएगा!

3. **वर्तमान काल:**
- "दीप्ति लिए भू पर आता है!"
  - → **भूतकाल**: दीप्ति लिए भू पर आया!
  - → **भविष्य काल**: दीप्ति लिए भू पर आएगा!

4. **वर्तमान काल:**
- "स्वर्ग बनाने का फिर कोई शिल्प भूमि को सिखलाता है!"
  - → **भूतकाल**: स्वर्ग बनाने का फिर कोई शिल्प भूमि को सिखलाया!
  - → **भविष्य काल**: स्वर्ग बनाने का फिर कोई शिल्प भूमि को सिखलाएगा!

5. **वर्तमान काल:**
- "अग्नि सदा धरती पर जलती"
  - → **भूतकाल**: अग्नि सदा धरती पर जली
  - → **भविष्य काल**: अग्नि सदा धरती पर जलेगी

शब्दकोश से

"स्वर्ग बनाने का फिर कोई शिल्प"

शब्दकोश के अनुसार 'शिल्प' शब्द के निम्नलिखित अर्थ हैं—

1. **हाथ से कोई चीज़ बनाकर तैयार करने का काम— दस्तकारी, कारीगरी या हुनर, जैसे— बर्तन बनाना, कपड़े सीलना, गहने गढ़ना आदि।**
2. **कला संबंधी व्यवसाय।**
3. **दक्षता, कौशल।**
4. **निर्माण, सर्जन, सृष्टि, रचना।**
5. **आकार, आवृत्ति।**
6. **अनुष्ठान, क्रिया, धार्मिक कृत्य।**

अब शब्दकोश से 'शिल्प' शब्द से जुड़े निम्नलिखित शब्दों के अर्थ खोजकर लिखिए—

1. **शिल्पकार** – शिल्प (कला या वस्तु) बनाने वाला व्यक्ति; कलाकार या कारीगर।
2. **शिल्पी** – कला या कारीगरी में निपुण व्यक्ति; कलाकार।

www.onepointlearning.com

3. **शिल्पजीवी** – शिल्प या कारीगरी के काम से जीविका चलाने वाला व्यक्ति।
4. **शिल्पकारक / शिल्पिक / शिल्पकारी** – शिल्प बनाने से संबंधित कार्य; शिल्प निर्माण की प्रक्रिया।
5. **शिल्पकला** – वस्तुओं को आकार देने और सजाने-संवारने की कला; कारीगरी।
6. **शिल्पकौशल** – शिल्प निर्माण में दक्षता, कला में निपुणता।
7. **शिल्पगृह / शिल्पगेह** – वह स्थान जहाँ शिल्पकला का काम होता है; कार्यशाला।
8. **शिल्पविद्या** – शिल्पकला से जुड़ा ज्ञान और विज्ञान।
9. **शिल्पशाला / शिल्पालय** – वह स्थान जहाँ शिल्पकला की शिक्षा दी जाती है; कारीगरी की पाठशाला।

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) कविता में गति को न बाँधने की बात कही गई है। आप 'बाँधने' का प्रयोग किन-किन स्थितियों या वस्तुओं के लिए करते हैं? बताइए। (संकेत— गाँठ बाँधना)

उत्तर: हम 'बाँधने' शब्द का प्रयोग इन स्थितियों या वस्तुओं के लिए करते हैं:

1. **गाँठ बाँधना –** कपड़े या रस्सी में।
2. **बाल बाँधना –** जूड़ा या चोटी बनाने के लिए।
3. **जानवर बाँधना –** गाय, बैल आदि को खूँटे से बाँधना।
4. **नाव बाँधना –** नाव को किनारे पर बाँधना।
5. **डोरी बाँधना –** पतंग की डोरी या किसी वस्तु को सुरक्षित रखने के लिए।
6. **रिश्ते बाँधना –** भावनात्मक संबंध या वचनबद्धता दिखाने के लिए।

(ख) 'स्वर्ग' शब्द से आशय है 'सुखद स्थान'। अर्थात वह स्थान जहाँ सुख, शांति, समृद्धि और आनंद की अनुभूति हो। अपने घर, आस-पड़ोस और विद्यालय को सुखद स्थान बनाने के लिए आप क्या-क्या प्रयास करेंगे? सूची बनाइए और घर के सदस्यों के साथ साझा कीजिए।

उत्तर: घर, आस-पड़ोस और विद्यालय को सुखद स्थान बनाने के प्रयास:

1. सफाई और स्वच्छता बनाए रखना।
2. सभी से प्रेम और सम्मान से व्यवहार करना।
3. पेड़-पौधे लगाना और हरियाली बढ़ाना।
4. जरूरतमंदों की मदद करना।
5. विद्यालय में मिलजुलकर पढ़ाई और खेलकूद करना।
6. शोर-शराबा कम करना, शांति बनाए रखना।
7. नियमों का पालन करना।
8. समय-समय पर सामूहिक कार्यक्रम और सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित करना।

(ग) कविता में सपनों की बात की गई है। आपका कौन-सा सपना ऐसा है जो यदि सच हो जाए तो वह दूसरों की सहायता कर सकता है? उसके विषय में बताइए।

उत्तर: मेरा सपना:

- मेरा सपना है कि मैं एक शिक्षक बनूँ और उन बच्चों को पढ़ाऊँ जो पढ़ाई का खर्च नहीं उठा सकते।
- यदि यह सपना सच हुआ, तो मैं गरीब बच्चों को मुफ्त शिक्षा देकर उन्हें आत्मनिर्भर और सफल बना सकूँगा/सकूँगी।

- इससे समाज में समानता और प्रगति आएगी।

चर्चा-परिचर्चा

"सपनों में दोनों ही गति है / उड़कर आँखों में आता है!"

किसी एक के द्वारा देखा गया सपना बहुत से लोगों का सपना भी बन जाता है, जैसे— हमारे स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा भारत को स्वतंत्र कराने का सपना सभी भारतीयों का सपना बन गया। साथियों से चर्चा कीजिए कि आपके कौन-से ऐसे सपने हैं जिन्हें पूरा करने के लिए आप अन्य लोगों को भी जोड़ना चाहेंगे?

उत्तर: मेरा सपना है कि हर बच्चा अच्छी शिक्षा पा सके और किसी को भी गरीबी के कारण पढ़ाई छोड़नी न पड़े।
इस सपने को पूरा करने के लिए मैं:

1. अपने दोस्तों को जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रेरित करूँगा/करूँगी।
2. पुराने किताब-कॉपी इकट्ठा करके गरीब बच्चों तक पहुँचाऊँगा/पहुँचाऊँगी।
3. घर-घर और स्कूल में सभी को शिक्षा के महत्त्व के बारे में जागरूक करूँगा/करूँगी।
4. टीम बनाकर लाइब्रेरी और स्टडी सेंटर शुरू करने का प्रयास करूँगा/करूँगी।

इस तरह मेरा सपना सिर्फ मेरा नहीं रहेगा, बल्कि सबका सपना बनेगा और समाज को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

सृजन

(क) विराम चिह्न का फेरबदल—

रोको, मत जाने दो।
रोको मत, जाने दो।

लेखन में विराम चिह्नों का विशेष महत्त्व होता है। विराम चिह्नों के प्रयोग से वाक्य या पंक्ति का अर्थ स्पष्ट हो जाता है और परिवर्तित भी हो जाता है, जैसे— 'रोको मत, जाने दो' में 'रोको' के बाद अल्पविराम चिह्न (,) का प्रयोग किया गया है, जिसका अर्थ है कि बिना रोके जाने दिया जाए। वहीं 'रोको, मत जाने दो' में 'रोको' के बाद अल्पविराम (,) का प्रयोग किया गया है, जिसका अर्थ है कि जाने से रोका जाए। नीचे कुछ चित्र दिए गए हैं। आप किन चित्रों के लिए 'रोको मत, जाने दो' या 'रोको, मत जाने दो' का प्रयोग करेंगे? दिए गए रिक्त स्थान में लिखिए और इन चित्रों को शीर्षक भी दीजिए।

उत्तर:

चित्र	उचित वाक्य	शीर्षक
1. पहला चित्र (ऊपरी बाएँ)	रोको, मत जाने दो।	सड़क पार करते समय सुरक्षा
2. दूसरा चित्र (ऊपरी दाएँ)	रोको, मत जाने दो।	वन्य जीवों की सुरक्षा
3. तीसरा चित्र (मध्य बाएँ)	रोको, मत जाने दो।	पुलिस द्वारा अपराधी की गिरफ्तारी
4. चौथा चित्र (मध्य दाएँ)	रोको मत, जाने दो।	मतदान करने की स्वतंत्रता
5. पाँचवाँ चित्र (नीचे बाएँ)	रोको मत, जाने दो।	एम्बुलेंस को रास्ता देना
6. छठा चित्र (नीचे दाएँ)	रोको मत, जाने दो।	दृष्टिहीन व्यक्ति की मदद

समझाने योग्य बिंदु:

- “रोको, मत जाने दो।” तब प्रयोग होता है जब किसी को रोकना ज़रूरी हो।
- “रोको मत, जाने दो।” तब प्रयोग होता है जब बिना रोके आगे बढ़ने की अनुमति दी जाए।

(ख) कविता आगे बढ़ाएँ

नीचे दी गई पंक्तियों को आगे बढ़ाते हुए अपनी एक कविता तैयार कीजिए।

"...इन सपनों के पंख न काटो
इन सपनों की गति मत बाँधो।"

उत्तर:

सपनों की दुनिया रंगों से भरी,
इनमें छिपी है रोशनी खरी।
मन के अंधेरों को मिटने दो,
नई उमंगों को खिलने दो।

हर सपने में उजियारा है,
हर सपने में कोई सहारा है।
सपनों की धारा बहने दो,
इनको आकाश में रहने दो।

आओ हम सब साथ मिलें,
सपनों के दीपक साथ जलें।
इन सपनों के पंख न काटो,
इन सपनों की गति मत बाँधो।"

(ग) खोया-पाया

मान लीजिए आपका सपना कहीं खो गया है। उसके खो जाने की रिपोर्ट तैयार करें। आपको स्कूल प्रशासन को यह रिपोर्ट भेजनी है। इसके लिए स्कूल प्रशासन के नाम एक पत्र लिखिए।

उत्तर: प्रेषक:
राधिका शर्मा
कक्षा 7 (क)
एबीसी विद्यालय, जयपुर
प्रति,
प्रधानाचार्य महोदय/महोदया
एबीसी विद्यालय
जयपुर
विषय: खोए हुए सपने की सूचना
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मेरा एक महत्वपूर्ण सपना (डॉक्टर बनने का सपना) कहीं खो गया है। यह सपना मेरे दिल और दिमाग में हमेशा रहता था, लेकिन पिछले कुछ समय से पढ़ाई में ध्यान कम होने और नकारात्मक विचारों के कारण यह सपना मुझसे दूर हो गया है।
इस सपने की पहचान:

- सपना बहुत उज्ज्वल और प्रेरणादायक है।
- यह दूसरों की सेवा और मदद से जुड़ा हुआ है।
- यह मेरे भविष्य को सुनहरा बनाने की ताक़त रखता है।

आपसे निवेदन है कि मुझे मार्गदर्शन और प्रेरणा दें ताकि मैं अपने खोए हुए सपने को फिर से ढूँढ़ सकूँ और उसे पूरा कर सकूँ।
धन्यवाद।
भवदीया,
राधिका शर्मा
कक्षा 7 (क)

वाद-विवाद

(क) कक्षा में पाँच-पाँच विद्यार्थियों के समूह बनाकर एक वाद-विवाद गतिविधि का आयोजन कीजिए। इसके लिए विषय है— "व्यक्ति को बाँध सकते हैं उसकी कल्पना और विचारों को नहीं"।

एक समूह विषय के विपक्ष में और दूसरा समूह विषय के पक्ष में अपना तर्क देगा, जैसे—

समूह 1— व्यक्ति की कल्पना और विचारों पर नियंत्रण आवश्यक है।

समूह 2— स्वतंत्र विचार और कल्पना प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

उत्तर: वाद-विवाद के लिए तर्क

पक्ष में (स्वतंत्र विचार और कल्पना प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण हैं):

- विचारों को बाँधने से व्यक्ति की रचनात्मकता रुक जाती है।
- नए आविष्कार और खोजें तभी संभव हैं जब कल्पनाओं को आज़ादी मिले।
- इतिहास गवाह है कि महान लोग अपने स्वतंत्र विचारों के कारण समाज को बदल पाए।
- स्वतंत्र विचार आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ाते हैं।
- स्वतंत्र कल्पना से ही कला, साहित्य और विज्ञान का विकास हुआ है।

विपक्ष में (कल्पना और विचारों पर नियंत्रण आवश्यक है):

- बिना नियंत्रण के विचार भ्रम और अव्यवस्था फैला सकते हैं।
- गलत कल्पनाएँ नकारात्मक कार्यों को बढ़ावा दे सकती हैं।
- समाज में शांति और अनुशासन के लिए विचारों का संतुलन और मार्गदर्शन ज़रूरी है।
- बच्चों और युवाओं को सही दिशा देने के लिए विचारों का संयम आवश्यक है।
- पूरी स्वतंत्रता से कभी-कभी अनुचित और हानिकारक विचार भी फैल सकते हैं।

(ख) विद्यार्थी वाद-विवाद के अनुभवों पर एक अनुच्छेद भी लिख सकते हैं।

उत्तर: वाद-विवाद का अनुभव (अनुच्छेद):

आज हमारी कक्षा में “व्यक्ति को बाँध सकते हैं उसकी कल्पना और विचारों को नहीं” विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई। कक्षा को दो समूहों में बाँटा गया— एक पक्ष में और दूसरा विपक्ष में। दोनों समूहों ने अपनी-अपनी बात तर्कों और उदाहरणों के साथ रखी। पक्ष के विद्यार्थियों ने कहा कि कल्पना और विचारों की स्वतंत्रता से ही समाज प्रगति करता है और नए आविष्कार होते हैं। विपक्ष के विद्यार्थियों ने समझाया कि विचारों पर नियंत्रण भी आवश्यक है ताकि गलत दिशा में बढ़ते विचारों को रोका जा सके। इस वाद-विवाद से हमें यह समझ आई कि स्वतंत्रता के साथ संयम और जिम्मेदारी भी जरूरी है। यह गतिविधि रोचक और ज्ञानवर्धक रही।

देखना-सुनना-समझना

(क) "धूम गगन में मंडराता है!"

सुगंध का अनुभव सूँघकर किया जाता है। धुएँ को देखा जा सकता है। वायु का अनुभव स्पर्श द्वारा किया जा सकता है और अनुभवों को बोलकर भी कहा या बताया जा सकता है जैसे कि कोई कॉमेडी कर रहा हो।

जो व्यक्ति देख पाने में सक्षम नहीं है, आप उन्हें निम्नलिखित स्थितियों का अनुभव कैसे करवा सकते हैं—

- **वर्षा की बूँदों का अनुभव:**
    - → उन्हें बाहर ले जाकर बारिश की बूँदें हाथों पर गिरने दें।
    - → बूंदों की ठंडक और आवाज़ सुनकर वे बारिश का अनुभव कर पाएँगे।

- **धुएँ के उड़ने का अनुभव:**
  → धुएँ की हल्की गंध सूँघने को दें।
  → गर्मी और हल्के झोंके से वे समझ पाएँगे कि धुआँ ऊपर उठ रहा है।
- **खेल के रोमांच का अनुभव:**
  → खेल के दौरान होने वाली उत्साह भरी आवाज़ें सुनाएँ।
  → खेल का माहौल छूने और सुनने के माध्यम से महसूस कराया जा सकता है।

(ख) मूक अभिनय द्वारा कविता का भाव
विद्यार्थियों के बराबर-बराबर की संख्या में दो दल (टीम) बनाइए। दलों के नाम रखें— कल्पना और आकांक्षा। 'कल्पना' दल से एक प्रतिभागी आगे आए और मूक अभिनय (हाव-भाव या संकेत) के माध्यम से इस कविता की किसी भी पंक्ति का भाव प्रस्तुत करे। 'आकांक्षा' दल के प्रतिभागियों को पहचानकर बताना होगा कि अभिनय में किस पंक्ति की बात की जा रही है। पहचानने की समय सीमा भी निर्धारित की जाए। निर्धारित समय सीमा पर सही उत्तर बताने वाले दल को अंक भी दिए जा सकते हैं। इस तरह से खेल को आगे बढ़ाया जाए।
उत्तर: मूक अभिनय खेल:
टीम का नाम:

- टीम 1: कल्पना
- टीम 2: आकांक्षा

खेल का तरीका:

- टीम 'कल्पना' का सदस्य कविता की एक पंक्ति का हावभाव और संकेतों से अभिनय करेगा।
- टीम 'आकांक्षा' को समय सीमा (30 सेकंड) के भीतर पंक्ति पहचाननी होगी।
- सही जवाब पर टीम को अंक दिए जाएँगे।
- यह गतिविधि छात्रों को कविता का भाव समझने और रचनात्मकता बढ़ाने में मदद करेगी।

आपदा प्रबंधन
"अग्नि सदा धरती पर जलती / धूम गगन में मँडराता है।"
आग, बाढ़, भूकंप जैसी आपदाएँ अचानक आ जाती हैं। सही जानकारी से आपदाओं की स्थिति में बचाव संभव हो जाता है।
(क) कक्षा में अपने शिक्षकों के साथ चर्चा कीजिए कि क्या-क्या करेंगे यदि—

- **कहीं अचानक आग लग जाए**
  उत्तर:
  → तुरंत फ़ायर ब्रिगेड को फोन करें (नंबर 101)।
  → गैस, बिजली आदि बंद करें।
  → आग बुझाने के लिए रेत या पानी का प्रयोग करें।
  → धुएँ से बचने के लिए रूमाल या कपड़े से नाक ढकें।
- **आपके क्षेत्र में बाढ़ आ जाए**
  उत्तर:
  → ऊँचाई वाले स्थान पर जाएँ।
  → पीने के पानी को सुरक्षित रखें।
  → बिजली के उपकरण बंद करें।

www.onepointlearning.com

→ नाव या रस्सी की मदद लें।

- **भूकंप आ जाए**

उत्तर:

→ डेस्क, मेज़ या मजबूत चीज़ के नीचे छुपें।
→ इमारत से बाहर निकलने के लिए जल्दबाज़ी न करें।
→ बिजली के खंभे या पेड़ों से दूर रहें।
→ खुली जगह पर खड़े रहें।

(ख) "मैं आपदा के समय क्या करूँगा या करूँगी?"— एक सूची या चित्र आधारित योजना बनाइए।

उत्तर: आपदा के समय मेरी योजना (सूची):

आपदा	मैं क्या करूँगा/करूँगी
आग	तुरंत मदद बुलाऊँगा, पानी या रेत डालूँगा, सुरक्षित जगह जाऊँगा।
बाढ़	ऊँचाई पर जाऊँगा, खाने-पीने का सामान साथ रखूँगा, दूसरों की मदद करूँगा।
भूकंप	खुली जगह जाऊँगा, मेज़ या दीवार से सुरक्षित रहूँगा, बिजली उपकरण बंद करूँगा।

शिल्प

"स्वर्ग बनाने का फिर कोई शिल्प
भूमि को सिखलायेगा!"

हमारे देश में हज़ारों वर्षों से अनगिनत शिल्प प्रचलित हैं। उनमें से कुछ के बारे में आप पहले से जानते होंगे। इनके बारे में कक्षा में चर्चा कीजिए।

(क) अपने समूह के साथ मिलकर नीचे दिए गए शिल्प-कार्यों को उनके सही अर्थों या व्याख्या से मिलाइए—

शिल्प-कार्य	अर्थ या व्याख्या
1. काष्ठ शिल्प	1. काँच से झूमर, सजावटी वस्तुएँ और रंगीन खिड़कियाँ बनाना
2. मृत्तिका शिल्प	2. कपड़ों पर कढ़ाई, बुनाई, छपाई आदि सजावटी कार्य
3. धातु शिल्प	3. कागज़ से खिलौने, सजावट, लिफ़ाफ़े और पेपर मेशी बनाना
4. काँच शिल्प	4. लकड़ी से वस्तुएँ, खिलौने, मूर्तियाँ आदि बनाना
5. वस्त्र शिल्प	5. मिट्टी से बर्तन, दीये, मूर्तियाँ और सजावटी चीजें बनाना
6. कागज़ शिल्प	6. ताँबा, पीतल, लोहे जैसी धातुओं से दीपक, मूर्तियाँ, थालियाँ आदि बनाना
7. पत्थर शिल्प	7. पारंपरिक चित्रकलाओं जैसे मधुबनी, गोंड, वरली आदि से कलाकृतियाँ बनाना
8. चमड़ा शिल्प	8. कपड़ों या सजावट की वस्तुओं में शीशे जोड़ना या जड़ाई करना
9. बाँस और बेंत शिल्प	9. लाख से चूड़ियाँ, डिब्बे और अन्य सजावटी वस्तुएँ बनाना
10. मोती एवं आभूषण शिल्प	10. लकड़ी, पत्थर या धातु पर बारीक खुदाई द्वारा डिज़ाइन बनाना
11. लाख शिल्प	11. बाँस और बेंत से टोकरियाँ, कुर्सियाँ, चटाइयाँ, पंखे आदि बनाना
12. शीशा शिल्प	12. चमड़े से जूते, बेल्ट, बैग और अन्य उपयोगी वस्तुएँ बनाना
13. चित्रकला शिल्प	13. संगमरमर या अन्य पत्थरों से मूर्तियाँ बनाना, मंदिरों की सजावट करना आदि
14. नक्काशी शिल्प	14. रंग-बिरंगे मोतियों से हार, कंगन, झुमके आदि गहने बनाना

उत्तर:

शिल्प-कार्य	अर्थ या व्याख्या
1. काष्ठ शिल्प	4. लकड़ी से वस्तुएँ, खिलौने, मूर्तियाँ आदि बनाना
2. मृत्तिका शिल्प	5. मिट्टी से बर्तन, दीये, मूर्तियाँ और सजावटी चीजें बनाना
3. धातु शिल्प	6. ताँबा, पीतल, लोहे जैसी धातुओं से दीपक, मूर्तियाँ, थालियाँ आदि बनाना
4. काँच शिल्प	1. काँच से झूमर, सजावटी वस्तुएँ और रंगीन खिड़कियाँ बनाना
5. वस्त्र शिल्प	2. कपड़ों पर कढ़ाई, बुनाई, छपाई आदि सजावटी कार्य
6. कागज़ शिल्प	3. कागज़ से खिलौने, सजावट, लिफ़ाफ़े और पेपर मेशी बनाना
7. पत्थर शिल्प	13. संगमरमर या अन्य पत्थरों से मूर्तियाँ बनाना, मंदिरों की सजावट करना आदि
8. चमड़ा शिल्प	12. चमड़े से जूते, बेल्ट, बैग और अन्य उपयोगी वस्तुएँ बनाना
9. बाँस और बेंत शिल्प	11. बाँस और बेंत से टोकरियाँ, कुर्सियाँ, चटाइयाँ, पंखे आदि बनाना
10. मोती एवं आभूषण शिल्प	14. रंग-बिरंगे मोतियों से हार, कंगन, झुमके आदि गहने बनाना
11. लाख शिल्प	9. लाख से चूड़ियाँ, डिब्बे और अन्य सजावटी वस्तुएँ बनाना
12. शीशा शिल्प	8. कपड़ों या सजावट की वस्तुओं में शीशे जोड़ना या जड़ाई करना
13. चित्रकला शिल्प	7. पारंपरिक चित्रकलाओं जैसे मधुबनी, गोंड, वरली आदि से कलाकृतियाँ बनाना
14. नक्काशी शिल्प	10. लकड़ी, पत्थर या धातु पर बारीक खुदाई द्वारा डिज़ाइन बनाना

(ख) अपने विद्यालय या परिवार के साथ हस्तशिल्प से जुड़े किसी स्थान या कार्यशाला का भ्रमण कीजिए और उस हस्तशिल्प के बारे में एक रिपोर्ट बनाइए।

उत्तर:

भ्रमण रिपोर्ट: खजुराहो हस्तशिल्प केंद्र का भ्रमण

पिछले सप्ताह हमारे विद्यालय ने खजुराहो के पास स्थित हस्तशिल्प केंद्र का भ्रमण कराया। वहाँ हमें विभिन्न शिल्पकलाओं का प्रत्यक्ष अनुभव हुआ। हमने देखा कि कलाकार बड़ी मेहनत और धैर्य से पत्थर शिल्प के तहत मंदिरों की मूर्तियों और सजावट का कार्य करते हैं। पत्थर पर नक्काशी की सूक्ष्म कला ने हमें बहुत प्रभावित किया। इसके साथ ही वहाँ काष्ठ शिल्प, मृत्तिका शिल्प और लाख शिल्प के भी सुंदर उदाहरण प्रदर्शित किए गए थे।

कलाकारों ने हमें बताया कि इस कला में पीढ़ियों से लोग कार्य कर रहे हैं। इन कलाओं के लिए अत्यधिक धैर्य, कौशल और रचनात्मक सोच की आवश्यकता होती है। इस भ्रमण से हमें भारतीय शिल्पकला की विविधता और समृद्धि का ज्ञान हुआ। हम सबने यह अनुभव किया कि भारतीय संस्कृति की आत्मा इन शिल्पकलाओं में बसती है।

www.onepointlearning.com